ट्रैफिकिंग में फंसीं महिलाओं व बच्चों का डाटाबेस होगा तैयार : समाज कल्याण मंत्री

स्पीडी ट्रायल कराने पर विचार

पटना | हिन्दुस्तान ब्यूरो

मानव व्यापार रोकने में पंचायत की जिम्मेदारी सबसे ज्यादा है। पंचायत स्तर पर हर बच्चे का उम्रवार आंकड़ा होना चाहिए और इसकी हर महीने जांच भी होनी चाहिए। ताकि यह पता चल सके कि कोई बच्चा गुम तो नहीं हो गया। ये बातें राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष शांता सिन्हा ने विधान परिषद एनेक्सी में आयोजित कार्यशाला में कहीं।

विधान परिषद की बाल संरक्षण महिला सशक्तीकरण समिति की तरफ से आयोजित दो दिवसीय इस कार्यशाला का विषय 'मानव तस्करी के विभिन्न आयाम : सत्ता और समाज की समाधानकारी भूमिका' है। शांता सिन्हा ने एंटी ट्रैफिकिंग में राज्य के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि बिहार ही इस क्षेत्र में क्रांति करेगा। इसके लिए राज्य में बने कानून 'अस्तित्व' की उन्होंने प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि एंटी ट्रैफिकिंग के

गुरुवार को विधान परिषद एनेक्सी में आयोजित कार्यशाला में राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष शांता सिन्हा व मंत्री परवीन अमानुल्लाह।

आंकड़ों को सिर्फ आंकड़ों के रूप में नहीं देखना चाहिए। इसमें संवेदना के साथ जोड़ने की जरूरत है। एक आंकड़ा एक जान को प्रस्तुत करता है। हर राज्य को ट्रैफिकिंग में फंसे बच्चों और महिलाओं

कार्यशाला में मंथन

- पंचायत स्तर पर हर बच्चे का आंकड़ा हो, बिहार में बने कानून 'अस्तित्व' की सराहना
- 'मानव तस्करी के विभिन्न आयाम : सत्ता और समाज की समाधानकारी भूमिका' विषय पर कार्यशाला

को यह भरोसा दिलाना होगा कि वह उनके लिए हर मदद करेगा।

समाज कल्याण मंत्री परवीन अमानुल्लाह ने कहा कि मानव व्यापार संगठित और आपराधिक गतिविधि है। उन्होंने गरीबी, समाजिक भेदभाव, भ्रष्टाचार, प्राकृतिक आपदा से विस्थापन और अशिक्षा को मानव व्यापार का मुख्य कारण बताया।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इसमें शामिल दोषियों का स्पीडी ट्रायल कराने पर विचार कर रही है। ट्रैफिकिंग में फंसी महिलाओं और बच्चों का डाटाबेस भी तैयार किया जाएगा। इसे रोकने के लिए तीन स्तर पंचायत, जिला और राज्य स्तर पर समन्वय कमेटी का गठन कर लिया गया है। एसपी की अध्यक्षता में एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग टास्क फोर्स का गठन 36 जिलों में हो गया है। उन्होंने यह माना कि जितने रुपए का आवंटन किया जाता है, उतने सही रूप से खर्च नहीं हो पाते हैं। कार्यशाला की अध्यक्षता विधान पार्षद किरण घई सिन्हा ने किया। उन्होंने शांता सिन्हा और परवीन अमानुल्लाह को मधुबनी पेंटिंग की शाल और एक पंखा भेंट किया।

कार्यशाला में बाल कल्याण कमेटी की अध्यक्ष निशा झा, यूनिसेफ के यामिन मजुमदार, योजना विकास विभाग के प्रधान सचिव विजय प्रकाश, मनोज कुमार श्रीवास्तव, डब्ल्यूडीसी की एमडी वंदना किन्नी, विधायक अरुण कुमार सिन्हा, निखत कासिम सहित अन्य मौजूद थे।